Title: Regarding atrocities against the students in Jamia Millia Islamia University campus by Delhi Police.

श्री माधवराव सिन्धिया (गुना): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं जीरो ऑवर में एक दुखद मामले की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। हमारे सदस्यगणों ने बहुत ही भावुक होकर जामिया मिलिया के मामले को कल सदन में उठाया था । यह बड़े अफसोस की बात है और हम सब इसकी निन्दा करते हैं। जबकि विद्यार्थियों पर इतनी भारी ज्यादती हुई है, फिर भी सरकार की इस पर न कोई प्रतिक्रिया है और न सरकार ने कोई वक्तव्य देने की घोषणा की है। संसदीय कार्य मंत्री जी ने हमारे सदस्यों को आश्वासन दिया था कि वे उनकी भावनाओं को गृह मंत्री तक पहुंचायेंगे। लेकिन सरकार की क्या प्रतिक्रिया है, क्या वह वक्तव्य देंगे, क्या उस स्थिति के बारे में जानकारी देंगे, क्या संसदीय कार्य मंत्री इस बारे में फिर से बतायेंगे?

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : अध्यक्ष जी, सिन्धिया जी का उत्तरार्द्ध वक्तव्य सही नहीं है, रिकार्ड देखा जा सकता है। मैंने कहा था कि मैं सदस्यों की भावनाओं को गृह मंत्री जी से अवगत करूंगा और उसी समय लिख कर उनकी भावनायें अवगत कराई। आप आगे मांग कर सकते हैं लेकिन मैंने सदन से कोई वायदा करके उसकी वायदा खिलाफी की है, यह सच नहीं है।

श्री माधवराव सिंधिया : मैं माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी को याद दिलाना चाहता हूं कि आज आप ट्रेजेरी बैंचेज पर बैठे हैं तो महत्वपूर्ण विषय आते हैं और जब आप कहते हैं कि आपकी भावनाओं को पूरी तरह से गृहमंत्री तक पहुंचाऊंगा तो यह माना जाता है कि इस गंभीर विषय पर सरकार की प्रतिक्रिया आनी चाहिये थी। ठीक है, आपने शब्द इस्तेमाल नहीं किये होंगे परन्तु जो आपने भावना व्यक्त की है, उसका संकेत यही है। अध्यक्ष महोदय, ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों को बुरी तरह से पीटा गया और यहां तक कि मस्जिद के इमाम को भी नहीं बख्शा गया।

जो लोग मस्जिद में नमाज कर रहे थे, उन्हें अंदर घुसकर, बाहर निकालकर पीटा गया, जबकि हॉस्टल में घुसकर विद्यार्थियों को बाहर खींचा गया, जबकि विद्यार्थियों को दूसरी मंजिल से पुलिस द्वारा फेंका गया। जबकि ये सब कार्यवाही और गतिविधियां चल रही थीं, उस समय साम्प्रदायिक रंग के और भारत विरोधी रंग के आरोप जामिया मिलिया के विद्यार्थियों के ऊपर लगाये जा रहे थे। सर, यह ट्रेजरी बैंचिज का एक रवैया है, भारतीय जनता पार्टी की सरकार का एक रवैया है, सोचने की प्रवृत्ति है और यह पैटर्न पूरी तरह से दिल्ली पुलिस और दूसरी एजेन्सीज में प्रतिबिम्बित हो रहा है It is a reflection of a pattern of thinking. यह एक तानाशाही और फासिस्ट तरीका है। इसीलिए मैं डिमांड करना चाह रहा हूं। विद्यार्थी आज भी धरने पर बैठे हैं। लोकतंत्र में इस तरह का आक्रमण इन्नोसेंट लोगों पर हो और उसकी कोई जवाबदारी सरकार न ले, उसका कोई जवाब न दे, यह हम बर्दाश्त करने के लिए तैयार नहीं हैं, क्योंकि यह लोकतंत्र की परिभाषा में नहीं आता। इसलिए दिल्ली पुलिस ने इन्नोसेन्ट स्टूडेंट्स के ऊपर जो चार्जेज फ्रेम किये हैं वे ड्रॉप किये जाएं, जूडीशन इंक्वायरी हो police atrocitiesâ€¦., punishment against guilty officials, immediate withdrawal of police from the campus, जब तक सामान्य स्थिति फिर से न बने, तब तक एग्जामिनेशन को स्थगित किया जाए। हम इस मांग का पूरी तरह से समर्थन करते हैं और हम मांग करते हैं कि संसदीय कार्य मंत्री हमें बतायें कि सिर्फ यह भावना Kindly do not be a Post Master General. Please do not just convey it to the post box of Mr. *Grah Mantri.* उनकी इस पर क्या अभिव्यक्ति है, उनके क्या विचार हैं, वह क्या जानकारी देने वाले हैं, क्या इस पर वक्तव्य पेश होने वाला है, वह इसके बारे में भी हमें अवगत करायें।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Sir, it is very unfortunate that matters like this have to be raised more than once on the floor of the House. It was raised. The Members expressed their anguish. I am sure that nobody can say that this matter has no importance at all. Young students have been beaten up in a manner which is a shame on any system of governance. There is no response. The Parliament is sitting. We have expressed our views. The hon. Minister of Parliamentary Affairs says that he has taken the trouble of writing a long letter. This is the end of the job of the Government of the day, and there will be no response for days together.

According to us, this is a diabolical act that was committed there. We cannot but express our strongest disapproval and resentment as to what has happened. We demand that the Government must not only make a statement but also make amends for this and see that a civilised system prevails at least in the Capital of this country. I strongly support Shri Madhav Rao Scindia's statement.

डा. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, श्री माधवराव सिंधिया और श्री सोमनाथ चटर्जी साहब ने जिस बात का जिक्र किया है, वहां जो स्टूडेंट्स थे, सचमुच में उनके ऊपर बहुत ज्यादती हुई है। उनमें से जो असली कल्प्रिट थे, जिन्हें पकड़ने जा रहे थे, वे निकल गये, परंतु जो वहां शरीफ, निर्दो â€¦(व्यवधान)

श्री राशिद अल्वी (अमरोहा) : यह गलत है। वे बाहर के लोग थे, वहां के लड़के कल्प्रिट नहीं थे

â€¦(व्यवधान)

डा. विजय कुमार मल्होत्रा : मैंने यह कब कहा, मैंने स्टूडेंट्स के लिए नहीं कहा।

â€¦(व्यवधान) आप मेरी बात सुनिये, हम भी आपकी बात सुन रहे थे। I did not say 'students'. Please listen to me....(*Interruptions*)

श्री साहिब सिंह (बाहरी दिल्ली) : आप सुनने देंगे या नहीं सुनने देंगे।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : साहिब सिंह जी, आप बैठ जाइये।

डा. विजय कुमार मल्होत्रा : मैने कब कहा है कि वे स्टूडेंट्स थे, मैंने यही बात कही है कि जिनको पकड़ने के लिए गये थे, वे वहां से भाग गये। â€¦(व्यवधान)

श्री राशिद अल्वी : अध्यक्ष जी, यह गलत कह रहे हैंâ€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: No, no. Shri Alvi, I have allowed him.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Alvi, what is this?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have allowed him. Now, you cannot interrupt him.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please understand that I have allowed him. If you want to say something, you can say it later on but not now.

...(*Interruptions*)

डा. विज्य कुमार मल्होत्रा : सर, अजीब बात हो रही है, मैं इनकी बात का समर्थन कर रहा हूं और ये लोग बिना बात बोले चले जा रहे हैं। मैं यह कह रहा हूं कि जिन्हें पक़ड़ने गये थे, वहां जो भी थे, वे स्टूडेंट्स नहीं थे, मैं कब कह रहा हूं कि वे स्टूडेंट्स थेâ€¦(व्यवधान) मैने कब कहा कि वे स्टूडेंट्स थे। वहां कुछ लोगों को पक्ड़ने के लिए जब पुलिस गई और वे वहां नहीं मिले तो वहां जिस तरह से निर्दो छात्रों पर कार्रवाई की गई, वह निहायत गलत है, बहुत लज्जाजनक है और वहां जिस तरह से निर्दो छात्रों को पीटा गया, जिस तरह से होस्टल में घुसकर उन्हें मारा गया, वह गलत है। वाइस चांसलर ने कहा है कि उन्होंने परमीशन नहीं दी थी, बिना परमीशन के किसी भी एजूकेशनल इंस्टीट्यूशन में प्रवेश करना उचित नहीं है और मैं समझता हूं कि इस बारे में निश्चित तौर पर कार्रवाई होनी चाहिए। वहां एक मैजिस्टीरियल इंक्वायरी की जा रही है। परंतु जो विद्यार्थी निर्दो हैं, उन पर केसिज को विदड्रा करना चाहिए और जिस-जिसने भी वहां ज्यादती की है, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

SHRI E. AHAMED (MANJERI): Sir, such atrocities have been committed on the students, the Imam of a Mosque has been tortured and in spite of all these things, the Government is not coming with any statement...(*Interruptions*)

SHRI MADHAVRAO SCINDIA : Sir, the Government should come with a statement, we have had 24 hours since then...(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : अध्यक्ष महोदय, जामिया मिलिया इस्लामिया में जो निहत्थे और निर्दो छात्रों पर जुल्म ढहाया गया, इसकी कड़ी निन्दा अब पूरा सदन कर रहा है। माननीय मल्होत्रा जी ने भी उसकी निन्दा की है। दो बातें हैं कि एक तो संसदीय कार्य मंत्री जी कभी कभी तो जब हम कहते हैं कि जवाब देना है, फलां विभाग को देना चाहिए, तब कहते हैं कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है और अब आप गृह मंत्री जी पर बात टालते हैं। आप संसदीय कार्य मंत्री हैं और संसदीय कार्य प्रणाली के विद्वान हैं। असेम्बली से लेकर यहां तक कभी परंपरा नहीं रही है कि संसदीय कार्य मंत्री कहें कि मैं संबंधित मंत्री को आपकी भावनाएं पहुंचा दूंगा। हम लोगों ने भी सरकारें चलाई हैं। संसदीय कार्य मंत्री पूरी तरह से प्रधान मंत्री जी की जगह काम करता है और उनकी तरफ से जवाब देता है । आप अपनी जिम्मेदारी से न हट कर तत्काल इस पर जवाब दें और इसको गृह मंत्री जी पर नहीं टालें। दूसरा आपने देखा है कि आपके जिम्मेदार केवल माननीय सदस्य नहीं हैं, नेता भी हैं। उन्होंने भी स्वीकार कर लिया है तो तत्काल जो निर्दो छात्र हैं, उन पर जितने मुकदमे हैं उनको विदड्रॉ करना चाहिए और आपको इसकी घोणा यहां करनी चाहिए। इसके लिए आपको क्या तर्क चाहिए? दूसरी बात है कि जो छात्र परीक्षाएं दे रहे थे, परीक्षाओं की तैयारियों में लगे हुए थे, अध्ययन कर रहे थे, उन छात्रों को खींच कर दूसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया गया। इतने जुल्म हों, उसके बाद भी कुछ कार्रवाई नहीं हुई। जैसे वकीलों पर जुल्म हुआ तो आपने तो उसको गंभीरता से लिया लेकिन सरकार ने नहीं लिया। हमने यह भी कहा कि कानून मंत्री भी हैं। हाई कोर्ट कुछ भी फैसला करे लेकिन सवाल यह है कि पुलिस ने जुल्म किया है। हाई कोर्ट ने फैसला किया कि पुलिस ने जुल्म नहीं किया है। कांस्टेबल को आप मुअत्तिल करेंगे और बड़े अधिकारियों को बचाएंगे? छात्रों पर, निहत्थे निर्दो लोगों पर कभी भी अन्याय, अत्याचार और हमला नहीं करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हम भी छात्र जीवन में आंदोलन करते थे, लेकिन पुलिस कभी भी सिर में लाठी नहीं मारती थी। सिर में लाठी मारने का मतलब है छात्रों की हत्या करने का प्रयास है। उन छात्रों पर जितने मुकदमे हैं, उनको वापस लिया जाए और जितने दोी पुलिस अधिकारी हैं, उनको हथकड़ी डाल कर जेल भेजा जाए। इससे ज्यादा और कोई सुबूत नहीं मिलेगा जब दोनों दल इस बात पर एक हैं, जिम्मेदारी से एक ही बात कह रहे हैं फिर इस पर बहस की आवश्यकता नहीं है। आप मंत्री जी तक भावना मत पहुंचाइए। सीधे-सीधे अपनी जिम्मेदारी निभाइए और अगर संसदीय कार्य मंत्री कहेंगे कि भावना पहुंचाएंगे तो क्या वे यहां पर अपनी तस्वीर दिखाने आए हैं। तस्वीर तो उनकी बहुत अच्छी है, वे सुन्दर भी लगते हैं, लेकिन संसदीय कार्य मंत्री कभी अपने को कमजोर साबित करेगा तो अच्छी बात नहीं होगी। सारी संसदीय परंपराएं नट हो जाएंगी। आप इसके लिए जिम्मेदार हैं। आप प्रधान मंत्री की तरफ से पूरे जिम्मेदार हैं। आप मज़बूती से जवाब दीजिए। गृह मंत्री जी अगर बीमार हो गए तो क्या हम लगातार इंतजार करते रहेंगे? इस पर आप कहते हैं कि हम सदन चलने नहीं देते हैं।

अगर हमारी जायज बात को भी नहीं सुना जायेगा तो हम सदन को कैसे चलने देंगे? हमारी बात को नहीं सुना जायेगा तो यह सदन तब तक नहीं चलेगा जब तक सरकार सीधा जवाब नहीं देगी।

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (CALCUTTA NORTH WEST): Sir, Jamia Millia Islamia is a very reputed academic institution of our country. This incident has caused a tremendous anxiety in the minds of the secular people and minorities of our country as a whole.

Sir, we categorically demand that those students who are still behind the bars are to be released immediately. We also demand that the Home Minister should positively come to the House and make a statement on this. Examination is knocking at the door of this University but everything is in a standstill position. So, those police officials who are really guilty and who have beaten up the students mercilessly--this incident has been condemned from all the corners of this House, from all the sides of this House--have to be dealt with very firmly. The guilty officials should be punished and investigation should be made without any further delay. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Banatwalla, you have already raised this matter yesterday.

...(*Interruptions*)

SHRI G.M. BANATWALLA (PONNANI): Sir, I wish to make only two sentences. Please allow me. ...(*Interruptions*) There has to be a statement from the Government as to what action is being taken. The Government is indifferent. ...(*Interruptions*) The students are on hunger strike. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The Minister is going to reply. Please understand that.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You are not allowing the Government to reply. What is this?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You have raised an important issue but you are not allowing the Government to reply.

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, दिल्ली पुलिस बदनाम हो गईâ€¦(व्यवधान) वकीलों को पीटा गया, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय में छात्रों को पीटा गया।â€¦(व्यवधान)

श्री माधवराव सिंधिया : अध्यक्ष महोदय, गृह मंत्री जी यहां पर आ चुके हैं। वे हमें अभी आश्वासन दे दें कि कब वक्तव्य देंगे।

गृह मंत्री (श्री लाल कृण आडवाणी) : ठीक है।

श्री माधवराव सिंधिया : क्या अभी देंगे?

श्री लाल कृण आडवाणी : ठीक है।...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please take your seat.

...(*Interruptions*)

SHRI G.M. BANATWALLA : Let the false cases be withdrawn. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Now, I call Shri Banatwalla to speak. I request all the other Members to take their seats.

...(*Interruptions*)

SHRI G.M. BANATWALLA : Mr. Speaker, Sir, a very serious police action has been taken against the innocent students of Jamia Millia. Their demands are very reasonable--judicial inquiry to be made, false cases be withdrawn immediately, and action to be taken against those policemen and officers who are responsible for these unwarranted atrocities.

Sir, I visited the place. A heart-rending havoc has been created over there. When I saw things over there, even a calm, cool, collected person like me, even a person who believes in the rule of law like me, and even a person who is committed to peace and peaceful methods, I felt that I should also turn into a terrorist against those who are breaking the rule of law. Sir, such is the situation and here, the Government has not come forward with any statement whatsoever.

In the case of *lathi charge* on the lawyers, the High Court has said that action should be taken against the police officials who are responsible. Similarly, here, on the same norms, on the same thinking of the court, action should be taken against those responsible police officials and false charges have to be withdrawn.

Now, Sir, a statement must come from the Government. The students are on hunger strike. The Government should come forward with a statement as to what action they are taking and it must also appeal to the students to withdraw their hunger strike....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am not allowing anybody.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please understand, you are not allowing the Minister to speak.

...(*Interruptions*)

गृह मंत्री (श्री लाल कृण आडवाणी) : मान्यवर अध्यक्ष जी, जामिया मिलिया के विद्यार्थियों के संदर्भ में जो विय आज यहां उठाया गया है, उस बारे में कई ि वद्यार्थियों के ग्रुप्स मुझसे मिले हैं, दिल्ली की मुख्य मंत्री मुझसे मिली हैं, जामिया मिलिया के वाइस चांसलर भी मुझे मिले हैं, मेरी अपनी पार्टी के सरकार में प्रतिनिधि श्री शाह नवाज भी मुझसे मिले हैं। उन सबसे बातचीत करने के बाद मैंने लेफ्टिनैंट गवर्नर से बात की। लेफ्टिनैंट गवर्नर डायरैक्टली दिल्ली सरकार के लिए पुलिस के

इंचार्ज हैं। उन्होंने मुझे पहला आश्वासन यह दिया कि जब उनका मामला कोर्ट में आयेगा तो सिवाय उनके जिन्होंने किसी हिंसा में भाग लिया होगा, किसी विद्यार्थी की बेल को वे औपोज नहीं करेंगे। â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Athawale, please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let him complete. He has not completed his reply. Please understand.

...(*Interruptions*)

श्री लाल कृण आड्वाणी : दो चीजें प्रमुख रूप से कही गयी हैं कि अभी तक लेफ्टिनैंट गवर्नर ने मैजिस्टीरियल इंक्वायरी ऑर्डर की है। आपकी राय है कि ज्यूडिशियल इंक्वायरी होनी चाहिए। आप सभी जानते होंगे कि मैजिस्टीरियल इंक्वायरी जल्दी होती है, ज्यूडिशियल इंक्वायरी में समय लगता है। अगर आपकी राय है तो मैं जरूर लेफ्टिनैंट गवर्नर से बात करके उनको इस दिशा में प्रेरित करूंगा।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Let him complete. What is this? Let him complete.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is not the proper way. What is this? Shri Akhilesh, please take your seat.

...(*Interruptions*)

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : लेफ्टिनैंट गवर्नर ने लड़कों की जमानत का विरोध नही करने का निर्णय लिया है। â€¦(व्यवधान) यह साबित करता है कि लड़कों के साथ ज्यादती की गई है, उन पर फर्जी मुकदमा कायम किया गया है।â€¦(व्यवधान) इसलिए माननीय गृह मंत्री जी सदन में फर्जी मुकदमा वापिस लेने की घोणा करें। â€¦(व्यवधान) उसके बाद न्यायिक जाँच हो ।

श्री लाल कृण आड्वाणी : मैं उसकी बात कर रहा हूं। मैंने लेफ्टिनैंट गवर्नर को यह निर्देश भी दिया है कि आखिर इन दिनों विद्यार्थियों की परीक्षायें होनी वाली हैं और परीक्षा के समय में इतने लोग जेलों में रहें या उनके ऊपर मुकदमा चले, यह कोई ठीक बात नहीं है। इसलिए सिवाय उनके जिनके खिलाफ कोई हिंसा या अनलाइसैंस्ड हथियार होने का कोई आरोप हो, बाकी लोगों के खिलाफ मुकदमे वापिस लेने की दिशा में बढना चाहिए। उन्होंने मुझे बताया कि इस प्रकार के केसेस में उन ऐक्यूज्ड को ऐप्लीकेशन्स करनी होती हैं और वह भी वाइस चांसलर को पूरा ऐक्सप्लेन किया गया कि इस-इस प्रकार की प्रक्रिया अपनाने से â€¦(व्यवधान)

SHRI SURESH KURUP (KOTTAYAM): He is explaining the procedure. ...(*Interruptions*)

SHRI L.K. ADVANI : I have already said itâ€¦ ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record except what the hon. Minister says.

*(Interruptions) â€¦ **

SHRI L.K. ADVANI : It is the procedure which has to be gone through. I have advised the Lt. Governor that in most of these cases, the cases should be withdrawn. This has been the advice given to the Lt. Governor. The procedure is being followed. ...(*Interruptions*)

Not Recorded

MR. SPEAKER: Dr. B.B. Ramaiah to speak now.

...(*Interruptions*)

SHRI MADHAVRAO SCINDIA : I want to ask one thing. What about an explanation from the police? Are they going to make any statement of regret for having entered the university campus without the permission of the Vice-Chancellor? How did they do this? Are they going to give an application of regret or not?

SHRI L.K. ADVANI : The hon. Member will appreciate that when an enquiry has been ordered, unless the enquiry report is given, the action cannot be taken in that matter. . ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record except what Dr. B. B. Ramaiah says.

*(Interruptions) â€¦**

** Not recorded*

DR. B.B. RAMAIAH (ELURU): Sir, there has been a steep fall in the prices of coconut recently...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Pl_ease take your seats. The Minister has not yet completed.â€¦ *(Interruptio*ns)MR. SPEAKER: Please understand. You are not allowing the Minister also to give a reply. Please take your seats. Shri Ramaiah, you also please take your seat. Shri Ahamed, ease take your seat. The Minister is giving the reply.

...(*Interruptions*)

श्री माधवराव सिंधिया : माननीय गृह मंत्री जी से हम यह पूछना चाहते हैं कि जिसने क्राइम को परपेट्रेट किया है, बिना इजाजत यूनिवर्सिटी कैम्पस में पुलिस ने प्रवेश कैसे किया। अगर आप चाहते हैं कि पुलिस को इन्नोसेंट, मासूम और निर्दोष लोग एप्लीकेशन दें, then it is a very great humiliation.

पहले तो उनकी पिटाई हो, पुलिस उन्हें डंडे मारे, उन्हें डंडे मारने के बाद जिसने डंडे मारे, उनके सामने एप्लीकेशन रखी जाये, this is very humiliating. इससे मैं नहीं समझता कि किसी का आत्मसम्मान रहेगा। वे केसेज विथड्रा होने चाहिए। जो इन्नोसेंट स्टूडेंट्स के खिलाफ केसेज हैं, वे केसेज विथड्रा होने चाहिए।

MR. SPEAKER: Let him give the reply please.

...(*Interruptions*)

SHRI MADHAVRAO SCINDIA : And, Sir, who is going to decide the merit of the case?...(*Interruptions*) Let there be a Parliamentary committee to go into it....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please understand that you are unnecessarily dilating the issue. When the Minister is ready to give the reply, you are dilating the issue. What is this?

...(*Interruptions*)

श्री माधवराव सिंधिया : Who is going to decide who is innocent and who is not? जिन्होंने डंडे मारे हैं, वे तय करेंगे? इनके जवाब से हम लोग संतुष्ट नहीं हैं।

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, my request is that let the Home Minister give the reply. If they have further questions, he will answer them. What is the point in shouting like this? ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The Minister is further giving the reply but you are not allowing him. What is this?

...(*Interruptions*)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : He can reply together, Sir. We are saying that either a magisterial inquiry or a judicial inquiry cannot have anything to do with the continuation of the cases against the students and continuing keeping them in jail.

SHRI L.K. ADVANI: I agree.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE: Therefore, irrespective of whatever type of inquiry may be held, we demand that the students must be immediately released and the cases against them should be withdrawn. If something else is there, the law will take its course. But at the time, in anticipation you cannot keep them. Apart from the manner in which all these things have happened − I am not going to repeat it − everybody is showing his total abhorrence to what has happened and the hon. Minister has not said one word against the police. He has not said one word condemning the incident. We expected that the Government of India should have condemned this incident. It should have been done in an unequivocal manner. Therefore, I am requesting the hon. Home Minister not to leave it to the Lt. Governor. He is powerful enough, many more times powerful than him. He should please see that these boys are released today. Unfortunately, even when they came yesterday to express their protest, they were again beaten up. Today again it has happened. What is this? Is this a declaration of war on these Jamia Millia students? Therefore, I am requesting the hon. Home Minister to make a declaration here and now - he has the authority - that they would be released in the course of the day and all cases against them would be withdrawn.

SHRI L.K. ADVANI: Sir, I appreciate the demand made by the entire Opposition. I will direct the Lt. Governor accordingly and I shall see to it that except those cases where there are allegations of violence or holding of unlicensed arms...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : What is this?

...(*Interruptions*)

SHRI P.C. THOMAS (MUVATTUPUZHA): We are not going to listen anything from the Government. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Are you not going to listen to the hon. Minister? When you raised the issue they were listening. When the hon. Minister is replying, you are not listening to him. What is this? I do not understand it.

...(*Interruptions*)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, I appeal to the hon. Minister of Home Affairs, on behalf of the entire Opposition, to once again consider the matter and release the students. ...(*Interruptions*)

SHRI MADHAVRAO SCINDIA : Sir, we are not satisfied with the answer given by the hon. Minister. We are walking out in protest.

1236 hours

(At this stage, Shrimati Sonia Gandhi and some other

hon. Members left the House.)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, not satisfied with the answer, we are walking out.

MR. SPEAKER : I appeal to all the hon. Members to resume their seats.

1236 hours

(At this stage, Shri Somnath Chatterjee and some other

hon. Members left the House.)

1236-1/2 hours

(At this stage, Shri Indrajit Gupta and some other

hon. Members left the House.)

1236-1/2 hours

(At this stage, Shri G.M. Banatwalla

left the House.)

SHRI P.C. THOMAS (MUVATTUPUZHA): Sir, despite several requests, the Government is not considering it. I am not satisfied with the answer.

1237 hours

(At this stage, Shri P.C. Thomas left the House.)

1237 बजेस

(तत्पश्चात् डा. रघुवंश प्रसाद सिंह तथा कुछ अन्य माननीय सदस्य से सभा भवन बाहर चले गये।)

1237 बजे

(तत्पश्चात् श्री रामदास आठवले ने सभा भवन से बाहर चले गये)

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : अध्यक्ष महोदय, हम गृह मंत्री जी भाण सुनने के लिए तैयार हैं, लेकिन यह कहां तक उचित है जब आप न्यायिक या मजिस्ट्रेट की जांच कर रहे हैं, अगर वे निर्दो साबित हो जाएंगे तो उन्हें छोड़ दिया जाएगाâ€¦(व्यवधान) किसके पास हथियार थे, अगर पुलिस के माध्यम से जांच होगी तो आप भी उसके भुक्तभोगी हैं, हम भी हैं। इसलिए गृह मंत्री जी इसको संजीदगी से लीजिए और विद्यार्थियों को बिना किसी शर के तत्काल रिहा किया जाए। उप राज्यपाल पर इसे न छोड़ें, उन पर छोड़ना अनुचित होगा। ये छात्र निहत्थे थे। हम चाहते हैं कि आप अपने अधिकारों का प्रयोग कीजिए और उनके ऊपर बनाए गए केसेज को विदड्रा करें।

MR. SPEAKER : Dr. B.B. Ramaiah to speak now.

DR. B.B. RAMAIAH : Sir, there has been a steep fall in the price of coconut recently. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Shri Mulayam Singhji, when you are raising the matter, they are listening. But when they are going to give reply, you are not listening. What is this system? I do not understand it. This is too much.

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, हम पर नाराज न हों, नाराज उन पर हों जो शोर मचाते हैं। हम राय दे रहे हैं कि विद्यार्थियों के साथ यह परम्परा कभी नहीं रही है। हम लोग भी सरकार में रहे हैं, विद्यार्थियों के केस हमेशा वापस लिए गए हैं। वहां बाहर के लोग आए थे। आपके सीनियर लीडर मल्होत्रा जी ने भी कहा है कि वे दोषी अपराधी थे, उनको पुलिस पकड़ने गई थी। वे भाग गए और अपने हथियार छोड़ गए।

अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी, अब समाप्त करें. यह कोई डिसीप्लिन नहीं है।

श्री मुलायम सिंह यादव : ये केस विदड्रा करें।

डा. विजय कुमार मल्होत्रा : जितनी मांगें वाइस चांसलर ने मांगीं, आडवाणी जी ने उनको मानने का यहां आश्वासन दिया है। उसके बाद भी ये लोग वाकआउट कर रहे हैं। अगर इनको अपने स्कोर सैटल करने थे तो इनकी विद्यार्थियों के साथ कोई हमदर्दी नहीं है, सिवाय यहां हंगामा करने के। मुझ से भी विद्यार्थी मिले थे। विद्यार्थियों ने, वाइस चांसलर ने जितनी मांगें रखींâ€¦ (व्यवधान) उन्होंने तीन मांगें रखींâ€¦ (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : आप गृह मंत्री को देख कर बदल गए हैं।

अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी आप अपनी बात कहे जा रहे हैं, उनकी नहीं सुन रहे हैं।

डा. विजय कुमार मल्होत्रा : उन्होंने कहा कि न्यायिक जांच कराएं, आडवाणी जी ने कहा कि मैं तैयार हूं। अगर विपक्ष चाहता है तो मैं इसके लिए तैयार हूं, ज्यूडिशियल इन्क्वायरी करवा सकता हूं, अब ये इससे भी भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी विद्यार्थी निर्दोष हैंâ€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाएं।

श्री मुलायम सिंह यादव : गृह मंत्री जी जवाब देंगे या ये ही बोलेंगे।

अध्यक्ष महोदय : वे भी बोलेंगे।

डा. विजय कुमार मल्होत्रा : जो भी विद्यार्थी निर्दोष हैं, उनके केस वापस लेने का उन्होंने आश्वासन दिया है। लेकिन अगर किसी के पास कट्टा निकल आए, रिवाल्वर निकल आए तो उसका केस कैसे वापस लेंगे, कोर्ट भी नहीं लेगी। इसलिए उन्होंने जितनी मांगें रखी हैं, सबको पूरी करने का आश्वासन दिया है, फिर पता नहीं क्यों ये वाकआउट कर रहे हैं, समझ में नहीं आता।

श्री राशिद अल्वी : स्पीकर सर, मैं भी एक मिनट में अपनी बात कहना चाहूंगा।

SHRI RASHID ALVI (AMROHA): Sir, the hon. Minister of Home Affairs should tender unconditional apology. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Hon. Members may please take their seats. This is not the proper way to behave in this House. What is this? Please take your seats.

...(*Interruptions*)

SHRI RASHID ALVI : This has happened in his constituency. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Shri Alvi, what is this? You are raising it every time. I am not going to allow you.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : This will not go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

MR. SPEAKER: Please take your seat. Every time, you are disturbing the House.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: On this important issue also, you are not allowing the Minister to speak. I think, this is not a proper way. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

श्री लाल कृण आडवाणी : माननीय अध्यक्ष महोदय, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना कुछ दिन पहले हुई और उसके बाद से कई विद्यार्थी प्रतिनिधि मंडल जामिया मिलिया

के मेरे पास आए। इनके साथ सबसे पहले शायद श्री शाहनवाज आए थे और बाद में फिर दिल्ली की मुख्यमंत्री आई थीं तथा परसों ही मेरे पास वाइस चांसलर आए थे। सब लोगों ने जितनी बातें कहीं हैं, प्राय: वे स्वीकार की गई है और वे संतुट गए। आज यह पहली बार प्रसंग हुआ है, जहां पर लगता है कि ये तय करके आए हैं कि ऐसा करना है और वैसा करना है तथा उसके आधार पर कर रहे हैं। अन्यथा, मैं आपको कहता हूं कि जुडिशियल एन्क्वायरी मैजिस्टिरियल एन्क्वायरी से ज्यादा स्रि वफ्ट होती है। लेकिन मैजिस्टिरियल एन्क्वायरी स्वीकार करने में मुझे कोई आपत्ति नहीं है। महीनों चलेगी, हो जाए, नहीं तो तुरन्त कार्रवाई हो सकती है।

* Not recorded

दूसरी बात, निरपराध विद्यार्थियों को छोड़ने का निर्देश दे दिया गया है। लेकिन इसमें एक प्रक्रिया है और उस प्रक्रिया के अनुसार चलना होगा। इस प्रक्रिया के बारे में भी कहते हैं कि कैसे आवेदन देंगे। यह सारी बात समझाई गई है। किसी को आपत्ति नहीं थी, लेकिन यहां पर आपत्ति उठायी जा रही है, जिस पर मुझे आश्चर्य है। मेरा फिर से निवेदन है कि यह घटना नहीं होनी चाहिए थी। जनवरी की घटना थी, उस संदर्भ में किसी को पकड़ने गए थे। पुलिस का कहना है कि हमने सही आदमी को पकड़ा, जिसको छुड़ाया गया। विद्यार्थियों को कहना है कि वह सही आदमी नहीं था। यह सारा विवाद का विाय है, जिसके बारे में मैं कोई टिप्पणी नहीं कर सकूंगा। बार-बार अदालतें कहती हैं, राजनीतिक नेता हर मामले में, इन्वैस्टिगेशन की स्टेज पर भी, दखलंदाजी करते रहे हैं, यह गलत है। आप लोग उस पर साधारणत: आपत्ति उठाते हैं और आज इस पर आग्रह हो रहा है कि निर्णय आप करें और निर्णय अभी करें । फिर भी सदन की भावनाओं का आदर करते हुए, मैंने कहा है कि मैं जुडिशियल एन्क्वायरी के लिए भी कहूंगा और जितने निरपराध विद्यार्थी हैं, उनको तुरन्त छोड़ने के लिए निर्देश दूंगा। â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Dr. B. B. Ramaiah.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record. Dr. B. B. Ramaiah.

(Interruptions) â€¦ *

MR. SPEAKER: The reply is over. Dr. B.B. Ramaiah.